वर्ष :: 33 अंक : 09
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

मिथिला
वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता

झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

/mithilavarnan

बोकारो :: रविवार, 27 नवंबर, 2022 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका
अवश्य पढ़ें-

निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मैनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

बंद हो जाएगा एचईसी !

विडंबना... कच्चा माल खरीदने के भी पैसे नहीं, 3000 कर्मियों को 12 माह से नहीं मिल सका है वेतन

-: देवेन्द्र शर्मा :-

रांची : एशिया महाद्वीप का सबसे बड़ा औद्योगिक प्रतिष्ठान एचईसी (हेवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन) लगभग बंदी के कगार पर पहुंच चुका है। केंद्र सरकार की उपेक्षा, उदासीन नीति और आर्थिक सहयोग नहीं होने के कारण कम्पनी लगभग बंद हो चुकी है।

निगम में कार्यादेश की कमी है, जो कार्यादेश कंपनी के पास पहले से थे, वे वापस जा चुके हैं। निगम के पास कच्चा माल खरीदने के लिए पैसा नहीं है। निगम में मैन-पावर के नाम पर अब महज तीन हजार की संख्या में कर्मी और अधिकारी बचे हैं। निगम ने पिछले 12 महीने से उन्हें वेतन भुगतान भी नहीं किया है। निगम के द्वारा केन्द्र से लगातार मदद की गुहार लगाई जा रही है।

आवासों पर सरकारी बाबुओं का कब्जा

सूत्रों के अनुसार एचईसी के आवास पर सरकार ने कब्जा कर अपने अधिकारी और कर्मचारी को आवंटित कर दिया है। निगम में स्थायी बंदी की घोषणा कभी भी संभव है। निगम के अवकाश ग्रहण करने वाले भी अपनी लंबित राशि पाने के लिए लगातार चक्कर लगाते देखे जा सकते हैं। आर्थिक संकट का यह हाल ऐसा है कि निगम का बड़ा अस्पताल भी निजी क्षेत्र के हाथों जा चुका है। निगम की खाली भूमि और आवास पर लगभग 80 प्रतिशत कब्जा लोगों ने कर लिया है।

विस्फोटक रूप ले सकता है श्रमिकों का असंतोष

वेतन भुगतान नहीं होने से श्रमिक का असंतोष कभी विस्फोटक रूप ले सकता है। पिछले दिनों श्रमिक ने निगम मुख्यालय के सामने विरोध-स्वरूप पकौड़ा तलकर विरोध जताया था। निगम के जानकार लोगों का कहना है कि सरकार कम्पनी को लगभग मृतप्राय मान चुकी है, इसलिए निगम पर धन नहीं लगाना चाहती।

झारखंड सरकार का कब्जा ?

जानकारों की मानें तो एचईसी की भूमि, भवन और अन्य संसाधन पर लगभग झारखंड सरकार ने अप्रत्यक्ष रूप से कब्जा जमा लिया है। निगम की खाली जमीन पर झारखंड सरकार ने विधानसभा भवन, सचिवालय, उच्च न्यायालय के साथ-साथ अन्य भवन बिना अनुमति के बनाया है। अलग राज्य झारखंड की स्थापना के बाद सरकार ने एचईसी के भवन समेत अन्य संसाधन पर किराया निर्धारित कर लिया था। सूत्रों का कहना है कि झारखंड सरकार ने निगम को आज तक एक पैसा भी भुगतान नहीं किया है। जाहिर है, जब सरकारी स्तर पर ही सहयोग न मिले, तो कंपनी का क्या होगा, इसका अंदाजा सहज लगाया जा सकता है।

आविष्कार मुसीबत में फंसी लड़कियों के लिए डीपीएस बोकारो की छात्रा अंजलि ने बनाया 'गर्ल्स सेफ्टी ऑटोमेटिक कॉलिंग वॉच'

घड़ी का बटन दबाते ही होगा कॉल और मिनटों में लोकेशन पर पहुंच जाएगी पुलिस

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : बालिका-सुरक्षा आज के दौर की महत्वपूर्ण चुनौतियों में से एक है। बेटियों के घर से निकलने और वापस घर लौटने तक माता-पिता की चिंता लगी ही रहती है। बढ़ते अपराध और असुरक्षित सामाजिक स्थिति में खास तौर से स्कूल-ट्यूशन जाने वाली छात्राओं के परिजन इस मामले में ज्यादा सतर्क रहते हैं। इसे लेकर परिवार और पुलिस के स्तर से सुरक्षात्मक उपाय तो किए ही जाते हैं, परंतु कहीं न कहीं वे नाकाफी साबित हो रहे हैं। इस दिशा में तकनीक अब काफी कारगर दिख रही है और तकनीक की मदद से ही डीपीएस बोकारो की एक मेधावी छात्रा अंजलि शर्मा ने अनूठा सुरक्षा उपकरण तैयार किया है। अंजलि ने एक खास घड़ी बनाई है, जिसे उसने गर्ल्स सेफ्टी ऑटोमेटिक कॉलिंग वॉच का नाम दिया है। इस घड़ी की मदद से मुश्किल में फंसीं महिलाएं या लड़कियां बस एक बटन दबाकर अपनी हिफाजत कर सकेंगी। घड़ी का बटन दबाते ही सीधे उसके परिजन व पुलिस को फोन चला जाएगा। फोन के साथ-साथ खतरे में होने का एसएमएस भी चला जाएगा। घड़ी में लगे जीपीएस (ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम) की मदद से परिजन या पुलिस सीधे उसके पास मिनटों में पहुंच सकेंगे। इस नवोन्मेषता के लिए भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से इंस्पायर अवार्ड मानक योजना के तहत अंजलि का चयन किया जा चुका है। प्रोजेक्ट तैयार करने के लिए प्राथमिक स्तर पर उसे 10 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि भी मिल चुकी है।

ऐसे काम करता है सेफ्टी कॉलिंग वॉच

एमसीयू (माइक्रोकंट्रोलर यूनिट) आधारित इस वॉच में सेंसर, दो पुश बटन, एलसीडी स्क्रीन, एलईडी ग्लो, वाई-फाई युक्त जीएसएम (ग्लोबल सिस्टम फॉर मोबाइल कम्युनिकेशन) मॉड्यूल, सिम-कार्ड आदि की जरूरत होती है। एक एम्बेडेड सिस्टम में एमसीयू मुख्य घटक है जो सर्किट बनाता है। इसमें एक प्रोसेसर इकाई, मेमोरी मॉड्यूल और कम्युनिकेशन इंटरफेस लगा होता है। एमसीयू में लगी चिप में कंप्यूटर प्रोग्रामिंग की मदद से वो नंबर फीड किए जाते हैं, जिस पर फोन किया जाना है। आपातकाल में घड़ी में लगे बटन को दबाते ही सेंसर काम करने लगता है, जो माइक्रोकंट्रोलर को सूचित करता है। उसमें लगे सिम के जरिए सीधे कंफीगर किए मोबाइल नंबर पर फोन चला जाता है। एक स्विच से घर, तो दूसरे से पुलिस को फोन जा सकता है। एलईडी ग्लो वाले सेंसर से कॉल कनेक्ट होने का पता चलता है। जबकि, इंटरनेट की मदद से जीपीएस के जरिए फोन रिसीव करने वाले के फोन में उसका लोकेशन भी पहुंच जाता है।

सफर के दौरान मां के साथ हुई घटना, तो सूझा आइडिया : डीपीएस बोकारो में 9वीं कक्षा की छात्रा अंजलि ने बताया कि एक बार उसकी (शेष पेज- 7 पर)

– संपादकीय –

सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

जबरन धर्म परिवर्तन पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान एक अहम टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एमआर शाह ने इसे एक अत्यंत गंभीर और चुनौबीपूर्ण मामला बताया है। साथ ही केन्द्र सरकार को इसे लेकर तुरंत उचित कदम उठाने को कहा है। न्यायालय का कहना था कि सभी को धर्म चुनने का अधिकार है, लेकिन जबरन धर्मांतरण से नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र सरकार को नोटिस जारी कर इस मामले में अपना रुख स्पष्ट करने को कहा है। कोर्ट ने केन्द्र से हलफनामा दाखिल कर जबरन धर्मांतरण के मामलों को रोकने के लिए उठाए गए कदमों और एहतियातों के बारे में भी बताने को कहा है। दरअसल, भारत के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग सम्प्रदाय द्वारा लोगों को प्रलोभन देकर अथवा जबरन उनका धर्म परिवर्तन करवाये जाने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। हाल के दिनों में तो लव जिहादियों द्वारा अलग-अलग समुदाय की युवतियों को प्रेम जाल में फंसाकर उनका धर्म परिवर्तन करवाये जाने की घटनाएं सुर्खियां बटोरती रही हैं। लेकिन, भारत सरकार की ओर से इसकी रोकथाम को लेकर आजतक कोई सख्ती नहीं बरती जा रही। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लालच, धोखा या बलपूर्वक किया जाने वाला धर्मांतरण खतरनाक और बहुत ही गंभीर मुद्दा है। कोर्ट ने केन्द्र सरकार से इसे रोकने के लिए ठोस प्रयास करने के लिए कहा है। कोर्ट ने चेतावनी दी कि यदि इस प्रकार का धर्मांतरण नहीं रोका गया, तो जटिल स्थिति पैदा हो सकती है। कोर्ट ने यह भी माना है कि इस तरह की कोशिशें राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ-साथ नागरिकों के धर्म और अंतरात्मा की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार के लिए भी खतरा बन सकता है। जस्टिस एमआर शाह और जस्टिस हिमा कोहली की पीठ ने केन्द्र सरकार को जबरन धर्मांतरण रोकने के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर 22 नवंबर तक जवाबी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया था। शीर्ष अदालत भाजपा नेता व वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसमें धोखाधड़ी और डरा-धमकाकर होने वाले धर्मांतरण को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि अगर इन पर रोक नहीं लगाई गई, तो जल्द ही भारत में हिन्दू अल्पसंख्यक हो जाएंगे। दरअसल, यह मामला अति गंभीर और चिन्ताजनक है। इसलिए केन्द्र सरकार को चाहिए कि वह इसकी रोकथाम के लिए राष्ट्रव्यापी कानून बनाये। साथ ही विदेशी एजेन्सियों के माध्यम से धर्म परिवर्तन के लिए भेजे जाने वाले धन पर अंकुश लगाने की दिशा में सार्थक कदम उठाये।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

मानव तस्करी - एक संगठित अपराध

अभिव्यक्ति

– डॉ. प्रभाकर कुमार –
बाल अधिकार कार्यकर्ता सह मनोवैज्ञानिक, बोकारो (झारखंड)।

मानव तस्करी के आज के समय में बड़ी समस्याओं और चुनौतियों में से एक है। संगठित गिरोह से जुड़ा यह अपराध न केवल एक मानव की तस्करी है, बल्कि इंसानियत की सौदेबाजी है। इंसान को महज एक वस्तु समझकर उसकी जिंदगी के साथ खिलवाड़ करना कतई सही नहीं ठहराया जा सकता। किसी को बल प्रयोग कर, डराकर, धोखा देकर, सब्जबाग दिखाकर , हिंसा जैसे तरीकों से भर्ती, तस्करी या बंधक बना कर रखना मानव तस्करी के रूप हैं। इसमें पीड़ित से देह व्यापार, घरेलू काम, गुलामी आदि कार्य व्यक्ति की इच्छा के विरुद्ध कराए जाते हैं। बच्चों को शारीरिक, मानसिक, यौन व भावनात्मक सभी प्रकार के उत्पीड़न सहने पड़ते हैं। बच्चों को वेश्यावृत्ति की ओर जबर्दस्ती धकेलना , विवाह के लिये विवश करना, बाल विवाह, गैर कानूनी तरीके से गोद लिया जाना, कम व बिना पैसे के मजदूरी करवाना, घरों में नौकर या भिखारी बनाने पर मजबूर किया जाना आदि मानव तस्करी के रूप हैं।

वर्तमान में अभिभावकों की आंखों में धूल झोंककर बाल विवाह के माध्यम से मानव तस्करी की जा रही है। इस धंधे में आम तौर पर स्थानीय एजेंट संलिप्त होते हैं, जो गरीब माता-पिता को बहला-फुसलाकर व कई किस्म के प्रलोभन देकर लड़कियों व बच्चों को अपने चंगुल में फंसा लेते हैं और धंधे से मोटी कमाई करते हैं ।

मानव तस्करी के माध्यम से जबरन वेश्यावृत्ति, बंधक मजदूर बनाना, गुलामी कराना, जबर्दस्ती भीख मंगवाना, आपराधिकता मे शामिल करवाना, घरेलू गुलामी, जबरन शादी करना, जबरन अंग निकालना (किडनी, आंख, खून आदि) मानव तस्करी के मुख्य उद्देश्यों में शामिल हैं।

नाबालिग बच्चों की तस्करी की सजा दस वर्ष से आजीवन कारावास व आर्थिक दंड है। यह एक गैर जमानती संगेय अपराध है। एक से अधिक नाबालिग बच्चों की तस्करी के लिए 14 वर्ष से आजीवन कारावास व आर्थिक दंड अपराध की श्रेणी में आते हैं। लेकिन, दुखद पहलू यह है कि इस कानून का सख्ती से पालन नहीं हो पाता है। जागरूकता के अभाव में मानव तस्करी अनवरत जारी है और तस्करों के हौसले बुलंद हैं।

मानव तस्करों की पहचान सर्वसुलभ हो पाए, इसके लिये बच्चों संग उनके माता-पिता अभिभावकों समाज समुदाय में बाल अधिकारों व बाल मुद्दों के प्रति जागरूकता की जरूरत है। कैसे भोले-भाले लोगों को बाहरी सब्जबाग दिखलाकर, निर्धन माता-पिता को आर्थिक लोभ दिखलाकर एवं गांवों-कस्बों झुग्गियों में दलालों के माध्यम से बाल दुव्यार्पार किया जाता है। कुल मिलाकर संगठित अपराध के रूप में मानव तस्करी अपने पांव पसार रही है। ग्रामीण इलाकों में बच्चों संग समुदायों तक बाल तस्करी , मानव तस्करी की अद्यतन जानकारी रहने की जरूरत है।

काव्यकृति

बढ़ चलना ही जीवन

– प्रो.अरुण श्रीवास्तव –

आशा विश्वास का संबल तू
कभी छोड़ न पथ के पथिक,
धीरज रख बढ़ सदा आगे
हिम्मत कभी न हार पथिक।

जीवन की राह भला कभी
समतल हुआ करती
सुख-दुख के दो तटों के बीच
सदा यह निरन्तर बहा करती,
जब भंवर में हो कश्ती फंसी
निराश कब बैठ जाता मांझी,
कोशिश करता विजय पाता
हार उसकी कभी नही होती।

गर हो नहीं जिसमें रवानी तो
किस काम की है वह जवानी,
बिन पुरुषार्थ खाक जिंदगानी
जौहर नहीं फिर कैसी कहानी।

कठिन तप साधना है जीवन
उठना, गिरना और सम्भलना
बिना थके-हारे विश्रान्ति तक
निरन्तर बढ़ चलना ही जीवन।

हैप्पी स्ट्रीट- खुशनुमा बोकारो की नई राह

हैप्पी संडे... ग्लोबल एक्टिव पार्टनर सिटी प्रोग्राम में जुड़ा नया आयाम, अब हर रविवार को होंगे कई आयोजन

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : इस्पातनगरी बोकारो को खुशहाल बनाने की दिशा में एक नई क्रांति का सूत्रपात किया गया है। देश की पहली ग्लोबल एक्टिव पार्टनर सिटी बोकारो में ग्लोबल एक्टिव सिटी प्रोग्राम के तहत हैप्पीनेस स्ट्रीट की शुरूआत हो गई तथा फिट और हैप्पी बोकारो बनाने की दिशा में एक नया अध्याय जुड़ गया। सेल, बोकारो स्टील प्लांट के सहयोग से ग्लोबल एक्टिव पार्टनर सिटी प्रोग्राम के तहत नगर के सेक्टर-3सी स्थित बोकारो मॉल के सामने से सेक्टर-4 गांधी चौक तक के एक तरफ के रास्ते को हैप्पी स्ट्रीट के रूप में विकसित किया गया। ग्लोबल एक्टिव सिटी कार्यक्रमों की पृष्ठभूमि में बोकारो स्टील प्रबंधन द्वारा स्वास्थ्य और फिटनेस के लिए जनभागीदारी द्वारा कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में गांधी चौक से पत्थर कट्टा चौक तक एक तरफ इस सड़क को हैप्पी स्ट्रीट बनाया गया है, जिसमें रविवार के दिन सुबह 7:30 से 9:30 तक यातायात का आवागमन बंद किया जा रहा है, ताकि लोग हैप्पी स्ट्रीट का इस्तेमाल जॉगिंग, वाकिंग, व्यायाम, साइकिलिंग या स्वास्थ्य और फिटनेस से जुड़े कोई भी एक्टिविटी कर सकें।

खेल-स्वास्थ्य संस्कृति का अग्रदूत बन रहा बोकारो

ग्लोबल एक्टिव पार्टनर सिटी के लीड आफिसर एवं डॉ. बीआर अंबेडकर पुरस्कार विजेता जयदीप सरकार ने कहा कि बोकारो में अब खेल एवं स्वास्थ्य जगत मर्यादित होगा। बोकारो एक पायलट नगरीय इकाई के रूप में देश में खेल व स्वास्थ्य संस्कृति का अग्रदूत एवं खेल जगत के विराट रूप का साक्षी बन चुका है।

स्वस्थ शरीर के साथ स्वस्थ मन के निर्माण की अनूठी पहल

इस अभियान के उद्घाटन के मौके पर बीएसएल के निदेशक प्रभारी अमरेंदु प्रकाश, बोकारो विधायक बिरंची नारायण, बोकारो डीसी कुलदीप चौधरी, एसपी चंदन कुमार झा, बीएसएल के अधिशासी निदेशक, सीईओ (बीपीएससीएल) केके ठाकुर, अन्य वरीय अधिकारी और कर्मी तथा हजारों की संख्या में बोकारोवासी, विभिन्न स्कूलों की टीमें, रोटरी और लायंस क्लब, महिला समिति, अन्य संगठन, बच्चे, नौजवान और वृद्ध उपस्थित थे। इसमें बीएसएल के पदाधिकारी, कर्मचारी से लेकर सरकारी व गैरसरकारी संगठनों के लोग और विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने भांति-भांति की गतिविधियों में हिस्सा लिया। खेल, कला-संगीत, नृत्य, फिटनेस के लिए व्यायाम के जरिए स्वस्थ शरीर के लिए स्वस्थ मन बनाने की कवायद से हर खासो-आम जुड़ा रहा। कोई कसरत करता दिखा, कोई गीत गाता, तो कोई गिटार बजाता दिखा। बच्चे स्केटिंग, रोप स्किपिंग, बड़े कैनवास पर पेंटिंग, तबलावादन आदि गतिविधियों में पूरे उत्साह के साथ सम्मिलित दिखे। डीपीएस बोकारो, बोकारो संगीत कला अकादमी, रोटरी क्लब सहित विभिन्न संगठनों के लोगों ने जहां भांति-भांति के कार्यक्रमों का आयोजन किया, वहीं भारी संख्या में कई आम नागरिक शामिल हुए।

बना रहा कार्निवल जैसा माहौल

इस कार्निवाल जैसे माहौल के बीच सैंड आर्टिस्ट अजय शंकर महतो का हैप्पी स्ट्रीट की थीम पर बना हुआ सेंड आर्ट भी देखते ही बन रहा था। स्केटिंग, योगा, डांसिंग, पेंटिंग, संगीत, विभिन्न प्रकार के खेल, फिटनेस की एक्टिविटी पूरा हैप्पी स्ट्रीट का माहौल खुशनुमा बना रहा। सेल्फी प्वाइंट कर लोगों ने खूब फोटो खिंचाई। कुल मिलाकर इस आयोजन में नगर वासियों की बड़ी संख्या में भागीदारी से कार्यक्रम सफल रहा। अब प्रत्येक रविवार के दिन हैप्पी स्ट्रीट इसी प्रकार वह 2 घंटे के लिए यातायात के लिए बंद रहेगा, ताकि लोग इसका आनंद लेते रहे और बोकारो में स्वास्थ्य और फिटनेस एक नई मुहिम शुरू हो सके।

पहल संविधान दिवस व अमृत महोत्सव पर पीआईबी ने किया जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

बच्चों में संवैधानिक मूल्य जगाने को आगे आया पीआईबी

संवाददाता

बोकारो : बच्चों में राष्ट्रीयता की भावना विकसित कर उन्हें देश का सच्चा व सफल नागरिक बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की कड़ी में पीआईबी, रांची द्वारा एक और नयी कड़ी जोड़ दी ई। आजादी के अमृत महोत्सव, एक भारत - श्रेष्ठ भारत एवं संविधान दिवस के मौके पर केंद्रीय संचार ब्यूरो, धनबाद, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा बोकारो जिला के राजकीयकृत उच्च विद्यालय लकड़ाखंदा में शनिवार को परिचर्चा एवं विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके जरिए खास तौर से स्कूली बच्चों में संवैधानिक मूल्य जगाने पर बल दिया गया। उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि बोकारो विधायक बिरंची नारायण ने किया। अपने संबोधन में विधायक श्री नारायण ने कहा कि देश को एक मजबूत लोकतंत्र बनाने में बाबा साहेब द्वारा लिखित संविधान की अहम भूमिका है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी इसकी रक्षा और इसे और सशक्त बनाने का लगातार प्रयास किया है, जिसके फलस्वरूप भारत पड़ोसी देशों में अर्थव्यवस्था के बुरे हालात के बावजूद भारत ताकतवर बनकर उभरा है।

इसके बाद सभी उपस्थित छात्रों और अन्य लोगों को संविधान उद्देशिका की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर अन्य गणमान्य अतिथियों में जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रबला खेस, एडवोकेट बोकारो जिला न्यायालय अन्नू मिश्रा, राजकीयकृत उच्च विद्यालय, लकड़ाखंदा के प्राचार्य डॉ. यूसी झा तथा सहायक जिला जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश सिंह भी उपस्थित रहे।

डीईओ प्रबला खेस ने केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा अमृत महोत्सव और संविधान दिवस पर आयोजित विशेष जागरूकता अभियान के लिए बधाई दी तथा प्री पब्लिसिटी में आयोजित निबंध, क्विज आदि के विजेताओं को पुरस्कृत कर उनकी हौसला अफजाई भी की। वहीं, अधिवक्ता अन्नू मिश्रा ने संविधान में निहित मौलिक अधिकारों के बारे में विस्तार से मौजूद बच्चों को जानकारी दी। उन्होंने छात्रों को संविधान को पढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य देश और राज्य के स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करना, भारत की एकता और अखंडता को बनाए रखना एवं संवैधानिक मूल्यों के बारे में आम लोगों को जागरूक करना रहा।

इस क्रम में प्री-पब्लिसिटी कार्यक्रम के तहत राजकीयकृत उच्च विद्यालय लकड़ाखंदा, सेक्टर 2ए में आयोजित रंगोली, निबंध, क्विज और पेंटिंग प्रतियोगिताओं के विजेताओं और आज के कार्यक्रम के दौरान हुए क्विज के विजेताओं को गणमान्य अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। इससे पूर्व, सुबह स्कूल के छात्र छात्राओं द्वारा संविधान दिवस जागरूकता रैली भी निकाली गई। दो दिनों तक संविधान दिवस पर चले इस जागरूकता अभियान को सफल बनाने में केंद्रीय संचार ब्यूरो, धनबाद के क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी ओंकार नाथ पांडेय और सहायक अधिकारी राजकिशोर पासवान ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

समानता के अधिकार से ही उच्च पद पर भी आसीन होते रहे सामान्य लोग : सिंह

संवाददाता

चंद्रपुरा : दामोदर घाटी निगम कोलकाता स्थित डीवीसी के मुख्यालय में आयोजित संविधान दिवस के अवसर पर डीवीसी के अध्यक्ष रामनरेश सिंह ने कहा कि हमारे देश के संविधान में समानता का अधिकार दिया हुआ है, इसलिए देश के सामान्य लोग भी उच्च पद पर पदस्थापित होते रहे हैं। श्री सिंह डीवीसी के सभी प्रोजेक्ट के अधिकारियों और कर्मचारियों से कंफरेंस के माध्यम से शनिवार के पूर्वाह्न जुड़े थे। श्री सिंह ने कहा कि हमारे संविधान को निमार्ताओं ने इतना लचीला बनाया है कि इसमें संशोधन भी होता रहता है और हम भारतवासियों को इसका पूर्ण लाभ और विकसित होने में काफी सहयोग प्राप्त हो रहा है। चंद्रपुरा डीवीसी में भी अधिकारी और कर्मचारी उक्त कार्यक्रम से जुड़े हुए थे। चंद्रपुरा के मुख्य अभियंता एवं परियोजना प्रधान सुनील कुमार पांडेय, मुख्य अभियंता परिचालन देवब्रत दास, उप महाप्रबंधक प्रशासन टी टी दास, के के सिंह, संजय कुमार सहित कई अधिकारियों और कर्मचारियों ने संविधान दिवस के अवसर पर शपथ ली।

शपथ में भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य, बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समानता प्राप्त करने के लिए तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी संविधान सभा में एतदद्वारा इस संविधान को अंगीकृत अधिनियम और आत्मारपित करने का प्रण लिया। इस अवसर पर दिलीप कुमार, राजकुमार चौधरी, सुजय भट्टाचार्य, दिलीप कुमार, सुजीत कुमार, मानवेंद्र प्रियदर्शी, सुजीत कारक, अजय कुमार सिंह, अनिल कुमार सिंह, राजीव कुमार राय, अशोक चौबे, अक्षय कुमार आदि मौजूद रहे।

कवायद... *डीसी-एसपी ने लिया जायजा, पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हैं कई योजनाएं*

लुगुबुरु घंटाबाड़ी की बदलेगी सूरत

संवाददाता

बोकारो : जिले के गोमिया में संतालियों के सबसे बड़े धार्मिक स्थल लुगुबुरू घंटाबाड़ी धोरोमगढ़ की सूरत जल्द ही बदलेगी। हाल ही में कार्तिक पूर्णिमा पर धर्म महासम्मेलन के दौरान सीएम हेमंत सोरेन के निर्देश पर जिला प्रशासन ने वहां पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई अहम योजनाएं तैयार की हैं। इसे लेकर डीसी कुलदीप चौधरी, एसपी चंदन कुमार झा, डीडीसी कीर्तिश्री, अपर समाहर्ता सादात अनवर, चास एसडीओ दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, बेरमो एसडीओ अनंत कुमार, बेरमो एसडीपीओ सतीश चंद्र झा समेत जिला एवं प्रखंड स्तर के अधिकारियों ने लुगुबुरू पहाड़ का निरीक्षण किया। इस दौरान पूर्व विधायक योगेन्द्र महतो एवं सरना धर्म महासम्मेलन आयोजन समिति के अध्यक्ष बबुली सोरेन समेत अन्य लोग उपस्थित थे। मौके पर डीसी-एसपी ने पहाड़ पर क्रियान्वित किए जाने वाली विभिन्न योजनाओं को लेकर संबंधित अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिया। विभिन्न स्थलों का फोटोग्राफी/वीडियोग्राफी करायी।

उल्लेखनीय है कि लुगुबुरू घंटाबाड़ी धोरोमगढ़ पहाड़ पर पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रॉक-वे डेवलपमेंट, वॉक शेड निर्माण, विभिन्न सात घाटों का जीर्णोद्धार, पेयजल आपूर्ति को लेकर वाटर टैंक निर्माण, सोलर लाइट का अधिष्ठापन, डॉक्टर रूम का निर्माण, मंदिर का जीर्णोद्धार, कंट्रोल रूम, गेस्ट रूम, चहारदीवारी-निर्माण, प्वाइंट/सेल्फी प्वाइंट आदि का निर्माण को लेकर निर्णय लिया गया है। डीसी श्री चौधरी ने संबंधित तकनीकी पदाधिकारियों को इन सभी को लेकर प्राक्कलन तैयार करने का निर्देश दिया।

निरीक्षण के बाद डीसी श्री चौधरी ने कहा कि पर्यटन को बढ़ावा देने एवं यहां आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा-सहूलियत को लेकर धार्मिक महत्व को ध्यान में रखते हुए मंदिर अथवा पहाड़ के विभिन्न हिस्सों के विकास के लिए रूपरेखा तैयार की गई है। इसी क्रम में आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने को लेकर तकनीकी टीम को जरूरी निर्देश दिया गया है। मालूम हो कि लुगुबुरू घंटाबाड़ी धोरोमगढ़ में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर प्रतिवर्ष देश के विभिन्न राज्यों एवं विदेशों से लाखों श्रद्धालुओं का आगमन होता है। यह स्थल आदिवासियों के लिए सालों भर आस्था का केन्द्र बना रहता है।

बच्चों में राष्ट्रप्रेम का अलख जगाएगा वसुंधरा परिवार

बोकारो : नगर के सेक्टर-3बी स्थित वसुंधरा गली में वसुंधरा परिवार की बैठक बिप्लव दास के संयोजन में आयोजित की गई। इस अवसर पर संगठन की ओर से विगत माह आयोजित वृहत काली पूजनोत्सव के सफल आयोजन की समीक्षा की गई। साथ ही, आगामी कार्यक्रमों पर विस्तार से विचार-विमर्श कर उनकी रूपरेखा तैयार की गई। इसके तहत बच्चों में खास तौर से राष्ट्रप्रेम का अलख जगाने के साथ-साथ उनके भीतर छिपी प्रतिभा निखारने को लेकर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। इसके लिए प्रतिवर्ष विभिन्न कार्यक्रमों के साथ-साथ गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस और महापुरुषों की जयंती विशेष रूप से मनाए जाने पर चर्चा की गई, जिसका सभी ने ध्वनिमत से स्वागत किया। आगामी कार्यक्रमों के तहत नववर्ष पर मिलन समारोह, बच्चों के लिए प्रतिस्पर्धा, सरस्वती पूजा आदि मनाने पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से संगठन की कार्यकारिणी गठित कर सभी लोगों में दायित्वों का बंटवारा भी किया गया। इसके तहत अध्यक्ष विजय कुमार झा, कार्यकारी अध्यक्ष अर्जुन प्रसाद सिंह व बालेश्वर सिंह, उपाध्यक्ष धनंजय चक्रवर्ती, गिरधर महतो व एसपी मिश्रा, सचिव बिप्लव दास, सह-सचिव सतीश सिंह, तुलसी व मोहन कुमार, कोषाध्यक्ष विजय कुमार सिंह, सह-कोषाध्यक्ष संजय गोपाल व दीपक महतो, सांस्कृतिक कार्यक्रम निदेशक अंकिता चक्रवर्ती, संगठन सचिव विनोद कुमार व अशोक कुमार, योजना सचिव रश्मि झा आदि को कार्यकारिणी में रखा गया। मौके पर उक्त लोगों के अलावा मीना राज, संध्या सोनी, विकास कुमार, आशा रानी, लक्ष्मी देवी आदि मौजूद रहीं।

विडंबना *डीवीसी ने मशीन रखने को लिया था फील्ड, आज तक नहीं लौटाया*

14 वर्षों से कोलाहल का इंतजार

कुमार संजय

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित राजकीय बुनियादी विद्यालय (बेसिक स्कूल) के खेल मैदान पर 14 वर्षों बाद भी स्कूली बच्चे न तो खेल ही पा रहे हैं और न ही स्कूल का वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता ही हो पा रहा है। स्कूल मैदान की स्थिति भी काफी बदतर हो गयी है। गौरतलब है कि डीवीसी प्रबंधन ने मशीनरी रखने के लिए इस स्कूल का मैदान लिया था। बोकारो थर्मल में डीवीसी के द्वारा वर्ष 2008 में 500 मेगावाट के ए पावर प्लांट निर्माण का कार्य आरंभ किया गया था। पावर प्लांट का निर्माण कार्य आरंभ होने के साथ ही प्लांट के लिए भारी मशीनरी एवं उपकरणों को रखने की समस्या आ खड़ी हुई थी।

डीवीसी प्रबंधन ने प्लांट निर्माण कार्य के लिए मैटेरियल को रखने के लिए वर्ष 2008 में ही स्थानीय बेसिक स्कूल की तत्कालीन एचएम मंजू कुमारी से खेल मैदान को डीवीसी प्रबंधन ने लिखित तौर पर हैंड ओवर लिया था कि प्लांट का निर्माण कार्य समाप्त होने के बाद मैदान को पूर्व की ही तरह हैंड-ओवर कर दिया जाएगा। स्कूल के मैदान में मैटेरियल रखने के पूर्व पूरे मैदान में बड़े-बड़े बोल्डरों एवं पत्थरों को डाल दिया गया था, ताकि मैटेरियल मिट्टी में ना दबे या उसमें मिट्टी न लगे। डीवीसी के 500 मेगावाट के पावर प्लांट का निर्माण हुए पांच वर्ष होने के बावजूद स्कूल मैदान को स्कूल की एचएम को हैंड ओवर नहीं किया गया है।

हेडमास्टर ने हैंड-ओवर के लिए लिखा था पत्र

बेसिक स्कूल के पूर्व एचएम जितेंद्र कुमार प्रसाद ने पावर प्लांट का निर्माण के बाद डीवीसी प्रबंधन को खेल का मैदान स्कूल को हैंड ओवर करने को लेकर पत्र लिखा था, परंतु प्रबंधन ने जवाब भी देना उचित नहीं समझा। स्कूल की वर्तमान एचएम कृष्णा कुमारी का कहना है कि स्कूल मैदान में पावर प्लांट का मैटेरियल रखने के कारण वह पूरी तरह से बर्बाद हो गया है और कहीं से भी बच्चों के खेलने लायक नहीं रह गया है। कहा कि मैदान के अभाव में बच्चे उसमें खेल नहीं पाते हैं। साथ ही स्कूल के वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का भी आयोजन वर्षों से नहीं हो पा रहा है।

हफ्ते की हलचल

बीएसएल आवासों पर अवैध कब्जे के खिलाफ शिकंजा

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट के सम्पदा न्यायालय के आदेश पर बीएसएल आवासों पर अवैध कब्जे के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है। नगर के सेक्टर-4 ए, 4 ई, सेक्टर-8ए, सेक्टर-1, 2 और 3 में सघन अभियान चलाया। दर्जनों आवासों से अवैध दखल हटाकर मजिस्ट्रेट प्रवीण रोहित कुजूर व बीएसएल अधिकारियों की मौजूदगी में होमगार्ड के जवानों ने क्वार्टरों को सील कर दिया। आवास खाली कराने के अलावा अवैध कब्जाधारियों का सामान भी सम्पदा न्यायालय द्वारा जब्त कर लिया गया।

शुरू हुई मिल्क गिफ्ट योजना, 4000 बच्चों को मिलेगा दूध

बोकारो : जिले के 10 सरकारी विद्यालयों के 4000 छात्र-छात्राओं के बीच मुफ्त दूध वितरित किया जाएगा। खाद्य उत्पादन में वृद्धि के बावजूद, अधिकांश भारतीय घरों में कुपोषण एक सतत समस्या बनी हुई है, जिसके परिणाम स्वरूप बड़ी संख्या में बच्चे नाटे-कमजोर या कम वजन के हो रहें हैं। इसी को दूर करने के लिए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड और एनडीडीबी फाउंडेशन फॉर न्यूट्रिशन (एनएफएन) की स्थापना की गई है। एनएफएन का उद्देश्य विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों में कुपोषण को दूर करना है। इसी कड़ी में जिला प्रशासन बोकारो के पहल पर कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (सीएसआर) के तहत विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों को फोर्टिफाइड फ्लेवर्ड दूध उपलब्ध कराने का निर्णय लिया। उत्क्रमित मध्य विद्यालय आजाद नगर सिवनडीह में एक कार्यक्रम आयोजित कर गिफ्ट मिल्क लॉन्च किया गया। मौके पर डीडीसी कीर्तिश्री जी., बीपीएससीएल के सीईओ केके ठाकुर, प्रबंध निदेशक झारखंड मिल्क फेडरेशन (जेएमएफ), डीईओ प्रबला खेस, सीएसआर नोडल शक्ति कुमार आदि उपस्थित थे। सरकारी विद्यालयों के छात्रों को विद्यालय परिसर में 200 मिली फोर्टिफाइड फ्लेवर्ड दूध उपलब्ध कराया जाएगा।

बाल अधिकार कांग्रेस में प्रतिभागिता हेतु कार्यशाला आयोजित

बोकारो : डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर 6 बोकारो में राज्य स्तरीय बाल अधिकार कांग्रेस में प्रतिभागिता हेतु चयनित 12 प्रोजेक्ट के बाल वैज्ञानिकों के प्रोजेक्ट को केस स्टडी पर आधारित प्रस्तुतिकरण को बेहतर बनाने के लिए एक कार्यशाला आयोजित हुई। डीपीएस सेक्टर 4 में 8 से 10 दिसंबर तक होने वाले राज्य स्तरीय बाल अधिकार में विद्यार्थी पर्यावरण संरक्षण का अधिकार अपना केस स्टडी प्रस्तुत करेंगे। राजेन्द्र कुमार, महासचिव साइंस फॉर सोसायटी, बोकारो ने कहा कि राज्य स्तरीय प्रतिभागिता में चयनित प्रोजेक्ट को तीन दिवसीय आउट बांड लर्निंग प्रोग्राम के अंतर्गत लिडरशीप स्किल डेवलपमेंट प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में एस के राय, पीआरके वर्मा, आर के कर्ण, श्रीमती पी ज्योतिर्गमय का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यशाला में ग्रुप लिडर एवं उनके मार्गदर्शक शिक्षक भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में विद्यालय प्राचार्य एस के मिश्र ने सभी प्रतिभागियों को बेहतर प्रदर्शन करने का तरीका बताया एवं शुभकामनाएं दीं।

बीएसएल में मनाया गया संविधान दिवस

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट में संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर इस्पात भवन स्थित समिति कक्ष में कार्यकारी अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) बीएस पोपली ने बीएसएल अधिकारियों व कर्मियों को भारत के संविधान के उद्देशिका की शपथ दिलाई। इस कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक (कार्मिक) हरि मोहन झा, मुख्य महाप्रबंधक (एचआरडी) मनीष जलोटा, मुख्य महाप्रबंधक (आई टी) ए बंकिरा तथा अन्य वरीय अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे।

सरकार उखाड़ फेंकने को भाजपाइयों ने कसी कमर, बोले रवींद्र राय-

लूट, हत्या और अवैध खनन के लिए ही बनी हेमंत सरकार

संवाददाता

बोकारो : एक हजार रुपए के अवैध खनन के मामले में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर विरोधी दल के सियासी हमले और तेज हो गए हैं। आरोप-प्रत्यारोप का दौर चरम पर है। भाजपा नेताओं ने मौजूदा राज्य सरकार को उखाड़ फेंकने को लेकर अपनी कमर कस ली और हाल ही में प्रदेश भाजपा के आह्वान पर हेमंत सरकार हटाओ झारखंड बचाओ के नारे के तहत जगह-जगह जनाक्रोश प्रदर्शन किया। इसी कड़ी में बोकारो में भी जिला भाजपा की ओर से जनाक्रोश प्रदर्शन किया गया। जिला भाजपा अध्यक्ष भरत यादव के नेतृत्व में बोकारो जिले के चास व बेरमो अनुमंडल के भाजपा कार्यकताओं ने हेमंत सरकार की कथित जन-विरोधी नीतियों के खिलाफ रोष प्रकट किया। इस दौरान कार्यक्रम के प्रभारी पूर्व सांसद व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र राय भी मौजूद थे।

इस क्रम में भाजपा कार्यकर्ता बोकारो हवाई अड्डा से पदयात्रा निकाली और जिला मुख्यालय तक पैदल मार्च कर सभा आयोजित की। कार्यकताओं ने हेमंत सरकार गद्दी छोड़ो, महिला विरोधी हेमंत सरकार, किसान विरोधी हेमंत सरकार जैसे नारे लगाये।

इस अवसर पर पूर्व सांसद रविन्द्र राय ने कहा कि जब से हेमंत सरकार बनी है, तब से किसान विरोधी गतिविधियां जारी है। रघुवर दास की सरकार द्वारा किसान सम्मान निधि योजना के तहत प्रति एकड़ 6000 दिया जाता था, जिसे सरकार ने बन्द कर दी। इस फैसले से किसानों में काफी रोष है। हेमंत सोरेन की सरकार न किसान हित, न ही महिला हित और न ही युवा हित में कार्य कर रही है। यह सरकार सिर्फ लूट, हत्या, अवैध खनन के लिए बनी है। इसके प्रतिनिधि, नेता भ्रष्टाचार में संलिप्त है, जो अखबारों की सुर्खियां बटोर रहे हैं। विगत तीन सालों से प्रखंड या अंचल कार्यालय लूट का केन्द्र बना हुआ है। सरकारी बाबू काम नहीं करते। केन्द्र सरकार की कई योजनाओं को ठंडे बस्ते में डाल दिया। आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत जनता का रोष पंचायत स्तर पर देखने को मिला है।

हताशा में हैं सीएम और उनके मंत्री : बिरंची

सभा को संबोधित करते हुए बोकारो के विधायक बिरंची नारायण ने कहा कि भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी हेमंत सरकार के प्रति जनाक्रोश व्याप्त है। एक सशक्त विपक्ष के नाते भाजपा हेमंत सरकार को समय समय पर आगाह करती रही है। लेकिन आम जनता के प्रति दायित्व को समझने की बजाय हेमंत सरकार चोरी और सीना जोरी कर रही है। झूठा वादा कर सत्तालोलुप हेमंत सरकार भ्रष्टाचार मे? घिरती दिखकर लोकलुभावन घोषणाएं कर रही है और झारखंड वासियों की ध्यान भ्रष्टाचार से भटकाकर सहानुभूति बटोरना चाहती है। लेकिन, किसी भी भ्रष्टाचारी को बख्शा नहीं जायेगा। उन्होंने कहा कि हताशा में आकर भाजपा कार्यकताओं को जेल में डालने, मारने की धमकी मुख्यमंत्री के साथ उनके मंत्री व नेता खुले मंच से दे रहे हैं। राज्य में लूट, हत्या व भय का माहौल है। इसके साथ ही अवैध खनन कर राज्य के राजस्व को नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

किसानों के साथ किया है अन्याय : अमर

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चंदनकियारी विधायक व पूर्व मंत्री अमर बाउरी ने कहा कि बोकारो जिला के तीन प्रखंड चास, चंदनकियारी व चन्द्रपुरा को सूखा प्रभावित क्षेत्र घोषित की सूची से बाहर करना कहीं न कहीं राजनीतिक द्वेष का नतीजा है। सरकार के मुखिया को लगता है कि इन क्षेत्रों में कृषक नहीं रहते। तीनों प्रखंडों के किसानों के साथ हेमंत सोरेन सरकार ने अन्याय किया है। उन्होंने कहा कि जब तक तीनों प्रखंड को सूखाग्रस्त घोषित नहीं किया जाता, तब तक भाजपा जनांदोलन कर सरकार को मजबूर करेगी। कार्यक्रम को भाजपा जिला अध्यक्ष भरत यादव ने भी संबोधित किया। इस जनाक्रोश प्रदर्शन में पूर्व विधायक छत्रुराम महतो व योगेश्वर महतो बाटुल, पूर्व जिला अध्यक्ष प्रह्लाद वर्णवाल, रोहितलाल सिंह, प्रह्लाद महतो, जगरनाथ राम व विनोद महतो, मुकुल ओझा, दिलीप श्रीवास्तव, कमलेश राय, अनिल स्वर्णकार, लीला देवी, संजय त्यागी, जयदेव राय, सुभाष महतो, जय नारायण मरांडी, अशोक कुमार पप्पू, इंद्र कुमार झा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

कोयलानगरी में कोयला तस्करी के खिलाफ पुलिस ने कसा शिकंजा

विशेष संवाददाता

धनबाद : कोयला नगरी धनबाद में कोयले के अवैध कारोबार के खिलाफ शिकंजा कसता दिख रहा है। पुलिस ने इसे लेकर सख्त कदम उठाए हैं। खास तौर से जिले के बाघमारा इलाके में पिछले दिनों सीआईएसएफ और कोयला चोरों के बीच हुई मुठभेड़ के बाद जिला पुलिस भी कोयला चोरी रोकने को लेकर सख्त हो गई है। बाघमारा इलाके में हाल ही में पुलिस ने छापेमारी कर दर्जनों दोपहिया वाहन और अवैध कोयला जब्त कर लिया है। धनबाद एसएसपी संजीव कुमार ने पिछले दिनों एक विशेष बैठक में जिले में विधि-व्यवस्था सहित कोयला चोरी पर लगाम लगाने के लिए सभी पुलिस पदाधिकारियों को कड़ा निर्देश दिया था। इसे लेकर बाघमारा डीएसपी निशा मुर्मू के नेतृत्व में अवैध कोयला कारोबार के खिलाफ सघन छापेमारी अभियान चलाया गया।

इस क्रम में कतरास थाना क्षेत्र अंतर्गत राहुल चौक पर अवैध कोयला ढुलाई में लगी कई बाइक जब्त की गई। साथ ही, कोयला की तस्करी में लगे लोगों को दबोचा गया। यह अभियान बाघमारा सोनारडीह, तेतुलमारी थाना क्षेत्रों सहित कई इलाकों में चलाया गया। डीएसपी ने बताया कि इस प्रकार की छापेमारी आगे भी जारी रहेगी।

पुलिस की कार्रवाई से कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों बाघमारा में बेनीडीह में सीआईएसएफ और कथित कोयला चोरों के बीच हुई मुठभेड़ में छह लोगों को गोली लगी थी, जिनमें से चार लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद सीआईएसएफ के खिलाफ ग्रामीणों में रोष लगातार गहराता जा रहा है।

तेनुघाट व कसमार आईटीआई जल्द होगा शुरू

बोकारो : राज्य के श्रम नियोजन एवं प्रशिक्षण मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने गोमिया विधायक डॉ. लंबोदर महतो को इस बात के लिए आश्वस्त किया है कि तेनुघाट और कसमार में बनकर तैयार राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) का उद्घाटन शीघ्र किया जाएगा। गोमिया विधायक ने मंत्री से मिलकर कहा कि लंबे समय से दोनों आईटीआई अपने-अपने उद्घाटन की बाट जोह रहा है। उद्घाटन नहीं होने की वजह से शैक्षिक सत्र भी प्रारंभ नहीं हो पा रहा है। डॉ महतो ने यह भी कहा कि आईटीआई के प्रारंभ हो जाने का लाभ गोमिया विधानसभा क्षेत्र के साथ-साथ अन्य क्षेत्र में रहने वाले छात्रों को प्राप्त हो सकेगा और छात्र रोजगारोन्मुखी शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे।

शिक्षाविद को जान का खतरा, सुरक्षा को मुहैया कराई

दरभंगा : एलएनएमयू रसायन विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रेम मोहन मिश्रा की जान कथित तौर पर खतरे में है। सर तन से जुदा करने की धमकी से भरा पत्र मिलने के बाद यहां के शिक्षा-जगत में सनसनी फैल गई है। सदर एसडीपीओ अमित कुमार ने विभागाध्यक्ष डॉ. मिश्रा से मुलाकात की। पत्र के संबंध में जानकारी ली और कार्रवाई का आश्वासन दिया। एसडीपीओ ने विभागाध्यक्ष को समुचित सुरक्षा देने का भरोसा भी दिलाया। उन्हें बॉडीगार्ड उपलब्ध करा दिया गया है। वहीं, विभागाध्यक्ष ने एसडीपीओ को बताया कि पत्र मिलने के बाद से उनके परिवार के लोग भय के माहौल में हैं। किसी भी अनहोनी का डर सभी को सता रहा है। एसडीपीओ को विभागाध्यक्ष ने बताया कि पत्र में उल्लिखित बातों की उन्हें कोई जानकारी नहीं है। पत्र में जिन बातों के संबंध में लिखा गया है, वह उनके कार्यकाल से पहले का है। जिस चोरी की घटना का जिक्र किया गया है, वह वर्ष 1995 का है। उनके कार्यकाल में पत्र में उल्लिखित कोई शिकायत नहीं आयी है। उन्हें क्यों धमकी दी गई है, यह उनकी समझ में नहीं आ रहा है। एसडीपीओ का कहना है कि सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। यह किसी जिहादी की हिमाकत है या किसी सिरफिरे की, इसकी जांच की जा रही है।

मिथिला डायरी

जब तक सांस, तब तक हो आस

जब भी हम लोग आशा से भरे होते हैं, उत्साह से परिपूर्ण होते हैं। जहां आशा क्षीण हुई, उत्साह कमजोर पड़ने लगता है और अगर आशा बहुत तीव्र हुई और चाहत पूरी नहीं हुई तो निराशा उतनी ही घनी हो जाती है। इस भंवर के जाल से कैसे निकलें?

जब तक सांस, तब तक आस! यानी आशा का सहारा कभी नहीं छोड़ना चाहिए, क्योंकि आशा से बड़ा कुछ है तो वह तत्व है- प्राण! आशीर्वाद में भी आशा है। कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी आशा ही मनुष्य को जीवित रखती है, यह भाव कि आने वाला कल आज से बेहतर होगा। धैर्य या ढाढ़स भी आशा ही दिलाता है। सुन्दर कांड में जब सीता माता की हिम्मत टूटने लगी तो उस समय हनुमान कहते हैं-

कछुक दिवस जननी धरु धीरा।
कपिन्ह सहित अइहहिं रघुबीरा।
निशिचर मारि तोहिं लै जइहहिं।
तेहिं पुर नारदादि जसु गैहहिं।

यानी आशा ही ढ़ाढ़स देती है, तो फिर कबीर दास क्यों कह गये-

माया मरी न मन मरा, मर मर गये शरीर।
आशा तृष्णा ना मरी, कह गये दास कबीर।

आशा को तृष्णा के समकक्ष क्यों माना गया है? क्या कोई अच्छी आशा और बुरी आशा जैसी भी कोई चीज है? किस मोड़ पर आशा तृष्णा में बदल जाती है? आशा का त्याग ही कहीं गीता में श्रीकृष्ण ने समभाव तो नहीं कहा है?

योगस्थः कुरु कर्माणि संगं त्यक्त्वा धनंजय।
सिद्धयसिद्धयोः समो भूत्वा समत्वं योग उच्यते।।

यानी हे अर्जुन! जय अथवा पराजय की समस्त आसक्ति त्याग कर समभाव से अपना कर्म करते करो। इसे ही समता योग कहते हैं।

अब आम भाषा में कहा जाय तो समभाव का अर्थ है, दुःख और सुख में निर्विकार रहा जाय। काम करें तो फल की कामना कम या नहीं हो। इस स्थिति में कैसे पहुंचा जायेगा? यह तो तभी होगा, जब हम कर्म करें, मगर उसके प्रति बहुत आशान्वित नहीं रहें।

जब भी हमलोग आशा से भरे होते हैं, उत्साह से परिपूर्ण होते हैं। जहां आशा क्षीण हुई, उत्साह कमजोर पड़ने लगता है और आशा बहुत तीव्र हुई और चाहत पूरी नहीं हुई तो निराशा भी उतनी ही घनी हो जाती है। यहां पर समझना है कि आशा कहां तक अच्छी है और कब अच्छी नहीं रहती है?

नारद पुराण में एक कथा आयी है आशा के सन्दर्भ में। रैवत मन्वन्तर में वेदमालि नाम के एक ब्राह्मण थे। उन्होंने शास्त्र का अध्ययन किया था और हमेशा भगवान की पूजा में लगे रहते थे। परन्तु अपनी गृहस्थी को चलाने के लिए उन्हें धन कमाना था। जैसा कि आजकल हम सब लोग करते हैं, वेदमालि ने भी धर्म की अवहेलना करके धन कमाना अधिक जरूरी समझा। उस धन से उन्होंने अपने पुत्रों यज्ञमालि और सुमाली का बहुत बढ़िया लालन-पालन किया।

एक दिन सभी धनी व्यक्तियों की भांति वह अपने धन का हिसाब लेने बैठे और अपने जमा धन गिनने लगे। उनका धन बहुत अधिक था, जिसे देख उन्हें बहुत खुशी हुई। परन्तु साथ ही वेदमालि को चिन्ता हुई कि इस धन को जमा करने के लिए मैंने धर्म का उल्लंघन किया, किन्तु अब भी मेरी तृष्णा शान्त नहीं हुई है।

जीर्यन्ते जीर्यतः केशा दन्ताः जीर्यन्ति जीर्यतः।
चक्षुः श्रोत्रे च जीर्यते तृष्णैका तरुणायते।।

वृद्धावस्था में पहुंचकर मेरी सारी इन्द्रियां क्रियाशील नहीं हैं, परन्तु एकमेव तृष्णा ही बलवती हो रही है। यही बात ययाति ने भी एक हजार साल तक यौवन का उपभोग करके जाना कि तृष्णा बिना पेंदा का घड़ा है। उसे भरा नहीं जा सकता है। वेदमालि ने समझा कि आशा में ही तृष्णा का बीज छुपा हुआ है। इसलिए अगर विद्वान पुरुष को हमेशा के लिए सुख चाहिए तो उसे संतोष का रास्ता अपनाना पड़ेगा। मनुष्य में बल हो, तेज हो, विद्या हो, यश हो, सम्मान हो और उत्तम कुल में जन्म हुआ हो तो भी अगर आशा-तृष्णा बनी हुई है तो वह बड़े बेग से सब पर पानी फेर देती है। मैंने बड़े क्लेश से यह धन कमाया और इसका उपयोग अपने पाप कर्म का समापन करने के लिए करना होगा। ऐसा सोचकर उन्होंने अपने धन को दो भागों में बांटा। आधा धन अपने लिए रखा और आधा अपने पुत्रों को दिया। अपने हिस्से के धन को उन्होंने दान-पुण्य में खर्च किया।

आशा के लिए दो विपरीत विचार धाराएं क्यों?

उत्तर जानने के लिए श्रीमद्भागवत गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं-

हे महाबाहु कुन्तीपुत्र! चंचल मन को वश में करना बहुत कठिन है, किंतु उपर्युक्त अभ्यास तथा विरक्ति द्वारा ऐसा संभव है। विरक्ति या वैराग्य का अर्थ मन का आत्मा में प्रवृत्त होना है और फिर आप आशा के चक्र से बाहर आ जाते हैं। जिसका मन संयमित नहीं है, उसके लिए अपनी शक्ति को जानना अति कठिन हो जाता है। गीता जिसे आत्म साक्षात्कार कहता है, अपनी शक्ति को जानना, उसे उपनिषद में आत्मवित् कहा गया है।

चिन्ता शोक से विमुक्ति

सनत कुमार नारद के बीच छान्दोग्य उपनिषद में चर्चा हुई है। सनत कुमार नारद के पास कुछ नया सीखने की इच्छा से आते हैं। तब नारद उनसे कहते हैं कि कुछ नया सीखने से पहले यह बताओ कि आता क्या है? सनत कुमार कहते हैं कि शास्त्र का अध्ययन किया है, जिससे मुझे शब्द ज्ञान हुआ है, परंतु अभी मेरा ज्ञान सतही है। अभी मुझे आत्म ज्ञान नहीं हुआ है। मतलब श्लोकों और मंत्रों का अर्थ तो मैंने रट लिया है, पर अभी वह ज्ञान मेरे अंदर आत्मसात नहीं हुआ है। नारद पूछते हैं कि तुम कैसे जान रहे हो कि तुम्हें आत्मज्ञान नहीं है और आत्मज्ञान होने पर क्या होगा? सनत कुमार कहते हैं कि जिसे आत्मज्ञान हो जाता है, वह शोक सागर से मुक्त हो जाता है।

तरति शोकम् आत्मशक्ति

और यहां मैं दुःखों और सुखों, आशा और निराशा के बीच झूल रहा हूं। यकीनन जब तक मेरा शोक नष्ट नहीं होता है, तब तक मुझे आत्मज्ञान नहीं हुआ है। नारद कहते हैं कि ब्रह्म को नाम समझकर पूजोगे तो नाम तक, वाणी से पूजोगे तो वाणी तक, मन में ब्रह्म समझोगे तो मन तक, संकल्प समझोगे तो संकल्प तक, चित् से समझोगे तो चित् तक।

उसके आगे ब्रह्म ध्यान में, फिर विज्ञान में, तब अन्न, फिर जल, उसके बाद तेज, वायु, आकाश, स्मृति, फिर आशा और अंत में प्राण में उपस्थित समझता है, परंतु सबसे अधिक ब्रह्म आशा में उपस्थित है। आशा दुर्गम स्थिति में मनुष्य को बल देती है, मगर वह आशा किसके लिए है? प्राण की खातिर! अगर प्राण ना रहे, आशा क्यों? इसीलिए जब तक सांस तब तक आस।

आशा को सदैव साथ रखो, पर अति मत करो

आस महत्वपूर्ण है। जब तक आशा नहीं होगी, जीवन में कार्यों को करने की प्रेरणा नहीं मिलेगी, मगर इस जीवन में आशा से भी ज्येष्ठ भूमिका कर्म की है, श्रद्धा की है, सत्य और मति की है। केवल आशावादी होना हितकारी नहीं है, क्योंकि अति आशावादी की समस्या है कि वह कई बार शुतुरमुर्ग की तरह आंखें मूंद लेता है। यह कायरता है और कई बार वह अपने लक्ष्य के लिए भावुक हो जाता है। दोनों ही बातें सत्य चिन्तन, आत्म अन्वेषण में घातक है। यह आपकी आत्मा के प्रोग्रेस या उन्नति को रोकती है। जिसे हम पोटेंशियल या क्षमता कहते हैं, वह आत्मा की ज्योति है। उसे जानने में आशा सहायक है, मगर तभी तक, जब वह कर्म श्रद्धा और सत्य की शक्ति के साथ है। जीवन में कर्म, श्रद्धा और सत्य का समन्वय ही प्राण शक्ति को जागृत करता है। इसके बिना अकेली आशा तृष्णा बन सकती है। अर्थात मेरा हमेशा अच्छा होगा, मगर अच्छा तभी होगा, जब आप उसके लिए प्राण-शक्ति लगाने के लिए तैयार होंगे।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ) - स्वास्थ्य में सुधार होंगे। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। कार्यों में सरलता से पूर्ण सफलता प्राप्त होगी। स्वास्थ्य में कुछ सुधार होंगे। उच्चाधिकारी प्रसन्न होंगे। शत्रु पराजित होंगे। मित्रों से मुलाकात होगी।

वृष (ई उ ए ओ वा वी वू वे वो) - स्वास्थ्य सम्बन्धी परेशानियों में पड़ सकते हैं। राज्य की ओर से परेशानी हो सकती है। पारिवारिक जीवन में थोड़ी गर्मी रह सकती है। भाग्य का साथ नही मिलेगा। सप्ताहांत तक जाते-जाते कुछ अच्छा होगा।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) - स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें। वाणी पर संयम रखें। गैस एवं अपच की समस्या हो सकती है। शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगा। सप्ताहांत तक राज्याधिकारियों से मुलाकात का योग बन सकता है। धन प्राप्ति के योग बन सकते हैं।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) - तनावपूर्ण जीवन से तौबा करें। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। धन लाभ होगी। लाभदायक यात्रा हो सकती है। भाइयों बन्धुओं से सामंजस्य बनाकर चलें। सोचे हुए कार्यों में सफलता प्राप्त हो सकती है।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) - स्वास्थ्य में सुधार होंगे। घर में सुखपूर्वक जीवन व्यतीत होंगे। नए कार्यों को अंजाम देने का समय चल रहा है। पदोन्नति या व्यवसाय में वृद्धि होगी। फिजूल-खर्ची से बचें।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) - पेट सम्बन्धी समस्याओं से बचें। कुटुंब मिलेंगे। सेवा करने का मौका मिलेगा। कार्यों में असफलता प्राप्त हो सकती है। शत्रुओं पर आसानी विजय प्राप्त हो सकती है। पराक्रम में बढ़ोतरी होगी।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) - स्वस्थ महसूस कर सकते हैं। धार्मिक करें लाभ प्राप्त होंगे। चित्त में चंचलता रहेगी। नवीन कार्यों के योग बन रहे हैं। कार्यों में सफलता के योग बनेंगे। उच्चाधिकारी प्रसन्न होंगे। सुख-आनन्द की प्राप्ति हो सकती है।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू) - स्वास्थ्य में सुधार। लाभ के योग बन रहे हैं। उच्चाधिकारियों से अनबन हो सकती है। स्थान परिवर्तन का योग बन रहा है। पूर्व के स्थितियों में काफी परिवर्तन होंगे। भाग्य साथ देने वाला है।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) - पेट सम्बन्धी समस्याओं से जूझेंगे। यात्रा से लाभ होंगे। वाणी पर संयम रखें लाभ होगा। साहस में बढ़ोतरी होगी। शत्रुओं पर आसानी से विजय प्राप्त करेंगे।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) - सिरदर्द सम्बन्धी समस्या हो सकती है। कुटुम्बों से रिश्तों को बनाकर चलें। नेत्र पीड़ा हो सकती है। विद्या की हानि हो सकती है। सज्जनों एवं उच्चराज्यधिकारियों से मुलाकात होगी। व्यय अधिक हो सकते हैं।

कुम्भ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) - रोग से मुक्ति मिलेगी। उत्तम भोजन, वस्त्र और शय्या-सुख की प्राप्ति होगी। उपहारादि धन की प्राप्ति होगी। नीच कर्म वाले और दुष्ट लोगों से मुलाकात हो सकती है। सिर और नेत्र में पीड़ा हो सकती है।

मीन (दी दू थ झ दे दो चा ची) - स्वास्थ्य पर ध्यान दें। सन्तान सम्बन्धी तनाव हो सकता है। आय में वृद्धि होगी। कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। मित्रों एवं सम्बंधियों से रिश्ते बनाने की कोशिश करें। अकारण यात्रा करनी पड़ सकती है।

अधिक जानकारी के लिए
संपर्क करें– 7808820251

छह-मासिक सूर्य-व्रत प्रारंभ, कथा से जानिए क्या है इसका महात्म्य

ज्योतिष

- ज्योतिषाचार्य पं. तरुण झा -
संस्थापक, ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान, सहरसा। मो. - 9470480168

27 नवंबर को छह मासिक रविवार व्रत का प्रारम्भ हो गया। इसका अपने-आप में काफी महात्म्य है। रविवार को सूर्य देवता की पूजा होती है। जीवन में सुख, धन-संपत्ति के लिए रविवार का व्रत सर्वश्रेष्ठ है। रविवार का व्रत करने व कथा सुनने से मनुष्य की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं! सूर्य का व्रत छह माह या एक वर्ष के लिए होता है। पूजन के बाद व्रतकथा जरूर सुनें और व्रतकथा सुनने के बाद आरती करें। तत्पश्चात सूर्य भगवान का स्मरण करते हुए 'ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः' का जप करें। रविवार के दिन नमक न खाएं।

व्रत कथा : प्राचीन काल में किसी नगर में एक बुढ़िया रहती थी। वह प्रत्येक रविवार को सुबह उठकर स्नानादि से निवृत्त होकर आंगन को गोबर से लीपकर स्वच्छ करती थी। उसके बाद सूर्य भगवान की पूजा करने के बाद भोजन तैयार कर भगवान को भोग लगाकर ही स्वयं भोजन करती थी। भगवान सूर्यदेव की कृपा से उसे किसी प्रकार की चिन्ता व कष्ट नहीं था। धीरे-धीरे उसका घर धन-धान्य से भर रहा था। उस बुढ़िया को सुखी होते देख उसकी पड़ोसन उससे बुरी तरह जलने लगी। बुढ़िया ने कोई गाय नहीं पाल रखी थी। अतः रविवार के दिन घर लीपने के लिए वह अपनी पड़ोसन के आंगन में बंधी गाय का गोबर लाती थी। पड़ोसन ने कुछ सोचकर अपनी गाय को घर के भीतर बांध दिया। रविवार को गोबर न मिलने से बुढ़िया अपना आंगन नहीं लीप सकी। आंगन न लीप पाने के कारण उस बुढ़िया ने सूर्य भगवान को भोग नहीं लगाया और उस दिन स्वयं भी भोजन नहीं किया। सूर्यास्त होने पर बुढ़िया भूखी-प्यासी सो गई। इस प्रकार उसने निराहार व्रत किया। रात्रि में सूर्य भगवान ने उसे स्वप्न में दर्शन दिया और व्रत न करने तथा उन्हें भोग न लगाने का कारण पूछा। बुढ़िया ने बहुत ही करुण स्वर में पड़ोसन के द्वारा घर के अन्दर गाय बांधने और गोबर न मिल पाने की बात कही। सूर्य भगवान ने अपनी भक्त की परेशानी का कारण जानकर उसके सब दुःख दूर करते हुए कहा- हे माता, हम तुमको एक ऐसी गाय देते हैं जो सभी इच्छाएं पूर्ण करती है, क्योंकि तुम हमेशा रविवार को पूरा घर गाय के गोबर से लीपकर भोजन बनाकर मेरा भोग लगाकर ही स्वयं भोजन करती हो। इससे मैं बहुत प्रसन्न हूं। मेरा व्रत करने व कथा सुनने से निर्धन को धन और बांझ स्त्रियों को पुत्र की प्राप्ति होती है। स्वप्न में उस बुढ़िया को ऐसा वरदान देकर भगवान सूर्य अंतर्ध्यान हो गए।

प्रातःकाल सूर्योदय से पूर्व उस बुढ़िया की आंख खुली तो वह अपने घर के आंगन में सुन्दर गाय और बछड़े को देखकर हैरान हो गई। गाय को आंगन में बांधकर उसने जल्दी से उसे चारा लाकर खिलाया। पड़ोसन ने उस बुढ़िया के आंगन में बंधी सुन्दर गाय और बछड़े को देखा तो वह उससे और अधिक जलने लगी। तभी गाय ने सोने का गोबर किया। गोबर को देखते ही पड़ोसन की आंखें फट गईं। पड़ोसन ने उस बुढ़िया को आसपास न पाकर तुरन्त उस गोबर को उठाया और अपने घर ले गई तथा अपनी गाय का गोबर वहां रख आई। सोने के गोबर से पड़ोसन कुछ ही दिनों में धनवान हो गई। गाय प्रति दिन सूर्योदय से पूर्व सोने का गोबर किया करती थी और बुढ़िया के उठने के पहले पड़ोसन उस गोबर को उठाकर ले जाती थी।

बहुत दिनों तक बुढ़िया को सोने के गोबर के बारे में कुछ पता ही नहीं चला। बुढ़िया पहले की तरह हर रविवार को भगवान सूर्यदेव का व्रत करती रही और कथा सुनती रही। लेकिन, सूर्य भगवान को जब पड़ोसन की चालाकी का पता चला तो उन्होंने तेज आंधी चलाई। आंधी का प्रकोप देखकर बुढ़िया ने गाय को घर के भीतर बांध दिया। सुबह उठकर बुढ़िया ने सोने का गोबर देखा, उसे बहुत आश्चर्य हुआ। उस दिन के बाद बुढ़िया गाय को घर के भीतर बांधने लगी। सोने के गोबर से बुढ़िया कुछ ही दिन में बहुत धनी हो गई। उस बुढ़िया के धनी होने से पड़ोसन बुरी तरह जल-भुनकर राख हो गई। जब उसे सोने का गोबर पाने का कोई रास्ता नहीं सूझा तो वह राजा के दरबार में पहुंची और राजा को सारी बात बताई।

राजा को जब बुढ़िया के पास सोने के गोबर देने वाली गाय के बारे में पता चला तो उसने अपने सैनिक भेजकर बुढ़िया की गाय लाने का आदेश दिया। सैनिक उस बुढ़िया के घर पहुंचे। उस समय बुढ़िया सूर्य भगवान को भोग लगाकर स्वयं भोजन ग्रहण करने वाली थी। राजा के सैनिकों ने गाय खोला और अपने साथ महल की ओर ले चले। बुढ़िया ने सैनिकों से गाय को न ले जाने की प्रार्थना की, बहुत रोई-चिल्लाई लेकिन राजा के सैनिक नहीं माने। गाय के चले जाने से बुढ़िया को बहुत दुःख हुआ। उस दिन उसने कुछ नहीं खाया और सारी रात सूर्य भगवान से गाय को पुनः प्राप्त करने हेतु प्रार्थना करने लगी। दूसरी ओर, राजा गाय को देखकर राजा बहुत खुश हुआ, लेकिन अगले दिन सुबह जैसे ही वह उठा सारा महल गोबर से भरा देखकर घबरा गया। उसी रात भगवान सूर्य उसके सपने में आए और बोले- हे राजन। यह गाय वृद्धा को लौटाने में ही तुम्हारा भला है। रविवार के व्रत से प्रसन्न होकर ही उसे यह गाय मैंने दी है।

सुबह होते ही राजा ने वृद्धा को महल में बुलाकर बहुत-से धन के साथ सम्मान सहित गाय लौटा दी और क्षमा मांगी। इसके बाद राजा ने पड़ोसन को दण्ड दिया। इतना करने के बाद राजा के महल से गंदगी दूर हो गई। उसी दिन राज्य में घोषणा कराई कि सभी स्त्री-पुरुष रविवार का व्रत किया करें। रविवार का व्रत करने से सभी लोगों के घर धन-धान्य से भर गए। चारों ओर खुशहाली छा गई। सभी लोगों के शारीरिक कष्ट भी दूर हो गए।

विवाह पंचमी का महत्व

ऐसी मान्यता है कि विवाह पंचमी के दिन माता सीता और श्री राम की विधि-विधान से पूजा करने से विवाह में आने वाली सारी बाधाएं दूर होती हैं। कुंवारी कन्या यदि पूरे मन से सीता-राम की पूजा करती हैं तो उन्हें मनचाहा जीवनसाथी मिलता है। इस दिन अनुष्ठान कराने से विवाहित लोगों का दांपत्य जीवन सुखमय बनता है, वैवाहिक जीवन में आ रही बाधा, रुकावट या समस्या खत्म हो जाती है। जीवन में सुख, शांति, प्रेम और सकारात्मकता आती है।

पेज- एक का शेष

घड़ी का बटन...

मां राखी गौरव बस से सफर में कहीं जा रही थीं। इसी बीच उनके साथ कुछ बदमाशों ने अनहोनी करने का प्रयास किया। उस वक्त उनकी मदद को कोई भी सहयात्री नहीं आगे आया। किसी प्रकार पुलिस को सूचित किया गया, तो मदद मिल सकी। इस घटना ने ही उसे यह सेफ्टी कॉलिंग वॉच बनाने को प्रेरित किया।

आईएएस अधिकारी बनना चाहती है अंजलि

बोकारो स्टील प्लांट के अधिकारी अनंत कुमार गौरव और शिक्षिका राखी गौरव की होनहार पुत्री अंजलि की दिली ख्वाहिश आगे चलकर आईटी में इंजीनियरिंग के बाद एक आईएएस अधिकारी बनने की है। उसे रोबोटिक्स में काम करने का अनुभव रहा है। फिलहाल लगभग दो हजार रुपए खर्च पर उसने आनलाइन सामान जुगाड़ किए और सेफ्टी ऑटोमेटिक कॉलिंग वॉच बना डाला। आगे इसके नैनो स्वरूप में संवर्द्धन के लिये खर्च में बढ़ोतरी होगी।

'आयुष्मान'- आशा की महानतम यात्रा की वास्तविक कहानी

'आयुष्मान'- यह ग्रामीण भारत के वंचित वर्ग वाले एचआईवी पॉजिटिव दो 14 वर्षीय बच्चों की कहानी है। उनमें से एक बच्चे को तो पैदा होते ही त्याग दिया गया था और दूसरा बच्चा अपने परिवार तथा भविष्य को लेकर भयभीत था। दौड़ने से प्रेरणा लेकर, वे सामाजिक कलंक और भेदभाव का सामना करते हुये लोगों में जागरूकता तथा विश्व में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करते हैं। इस वृत्तचित्र के पीछे की प्रेरणा के बारे में फिल्म के निर्देशक जैकब वर्गीज ने कहा, ''जीवन में कभी हार न मानने वाली लड़कों की भावना और उनकी प्रेरणा ने मुझे भी प्रभावित किया है। ये लड़के अपने कष्ट के बारे में शिकायत करना बंद कर देते हैं। शिकायतें करने के की यात्रा लगभग छह वर्षों में पूरी हुई, जिसका हवाला देते हुये जैकब वर्गीज ने कहा कि वे बाबू और मानिक नाम के लड़कों से मिले थे, जो उस समय 12 वर्ष के थे। वे एचआईवी पॉजिटिव बच्चों के एक यतीमखाने में रहते थे। वर्गीजा ने कहा, ''उनमें से एक बच्चे को तो पैदा होते ही त्याग दिया गया था और दूसरा बच्चा अपने परिवार तथा भविष्य को लेकर भयभीत था। जब मैं उन बच्चों से मिला, जिनका एचआईवी पॉजिटिव पैदा होने में कोई कसूर नहीं था, तो सबसे पहला विचार मेरे मन में आया कि ये कैसे अपनी जिंदगी जियेंगे, कैसे जिंदा रहेंगे और कब तक जिंदा रहेंगे।'' वर्गीज ने कहा- 'हमारे पास इन सवालों के जवाब नहीं हैं।'

लेकिन उन्हें तब बहुत अचरज हुआ कि ये लड़के कैसे इतना साहसी हैं और कैसे वे अपनी मनपसंद गतिविधियों में हिस्सा लेकर लड़ने के लिये संकल्पित हैं। वे दौड़ते हैं और इस तरह अपने संकल्प को व्यक्त करते हैं। निर्देशक ने बताया कि ये लड़के धीरे-धीरे कदम बढ़ाकर इस बड़ी मंजिल तक पहुंचे हैं। पहले ये 10 किलोमीटर लंबी दौड़ में हिस्सा लेते थे और आगे चलकर हाफ मैराथन, यानी 21 किलोमीटर की दौड़ में हिस्सा ले रहे हैं। वर्गीज ने कहा कि रोग से जुड़े सामाजिक कलंक और भेदभाव की भावना उन लड़कों से उनकी छोटी-छोटी खुशियां तक छीन लेते हैं। इसके पीछे गलतफहमियों का बहुत हाथ होता है। उन्होंने कहा कि एचआईवी, कुष्ठ जैसी बीमारियों के बारे में बहुत गलतफहमियां हैं, जिनके कारण ये लोग जीवन को पूरी तरह जी नहीं पाते तथा यहां तक कि उन्हें अपने कई अधिकारों से भी वंचित होना पड़ता है। आयुष्मान का प्रदर्शन गोवा में आयोजित 53वें भारत अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के गैर-फीचर श्रेणी के इंडियन पैनोरामा के तहत हुआ।

चल जंगल चल

चल जंगल चल, चल जंगल चल
जंगल में वन-विश्रामालय
इसका एक अलग-सा है लय
बगल खड़ी छोटी-सी बस्ती
आत्मीयता यहां बरसती
विश्रामालय में पहुंचो तो-
लगता सिमटा यहीं सकल संसार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल चल
चल जंगल चल, चल जंगल चल
सकारात्मक कुछ बातें हों
भय देने वाली रातें हों
किन्तु बांह फैलाए जंगल
फिर-फिर हमें बुलाए जंगल
हम जंगल के साथ पूर्ण हैं
यहीं समष्टि-भाव 'सत्य' का सार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल चल (क्रमशः)

कुमार मनीष अरविन्द

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा दामिनी प्रिन्टर्स, जेब्री.- 12, सिटी सेन्टर, सेक्टर-4, बोकारो से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **श्रवण कुमार झा,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई.पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)

प्रधानमंत्री ने सर्वोच्च न्यायालय में संविधान दिवस समारोह को सम्बोधित किया, कहा-

भारत पूरी दुनिया के लिए आशा की किरण

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सर्वोच्च न्यायालय में संविधान दिवस समारोह में सम्मिलित हुए और उपस्थितजनों को सम्बोधित किया। वर्ष 1949 में संविधान सभा द्वारा भारतीय संविधान को अंगीकार किये जाने के उपलक्ष्य में 2015 से संविधान दिवस 26 नवंबर को मनाया जाता है। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान ई-कोर्ट परियोजना के तहत अनेक नई पहलों का शुभारंभ किया, जिसमें वर्चुअल जस्टिस क्लॉक, जस्टिस मोबाइल एप्प 2.0, डिजिटल कोर्ट और एस3वीएएएस वेबसाइट शामिल हैं। संविधान दिवस पर बधाई देते हुये प्रधानमंत्री ने स्मरण किया कि 1949 में इसी दिन, स्वतंत्र भारत ने अपने नये भविष्य की आधारशिला रखी थी। प्रधानमंत्री ने आजादी के अमृत महोत्सव के क्रम में इस वर्ष संविधान दिवस मनाये जाने की महत्ता का भी उल्लेख किया। उन्होंने बाबासाहेब डॉ. बी.आर. अम्बेडकर और संविधान सभा के समस्त सदस्यों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रधानमंत्री ने पिछले 70 दशकों में विकास-यात्रा तथा भारतीय संविधान के विस्तार में विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका की अनेक हस्तियों के योगदानों को रेखांकित किया तथा इस विशेष अवसर पर पूरे राष्ट्र की तरफ से उन सबको धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रधानमंत्री ने उस 26 नवंबर को याद किया, जिसे भारत के इतिहास में काला दिवस के रूप में जाना जाता है, क्योंकि उस दिन भारत पर इतिहास का सबसे बड़ा आतंकी हमला हुआ था, जिसे मानवता के दुश्मनों ने अंजाम दिया था। श्री मोदी ने कायरतापूर्ण मुम्बई आंतकी हमलों में अपने प्राण खो देने वाले सभी लोगों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रधानमंत्री ने स्मरण कराया कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में भारत की विकसित होती अर्थव्यवस्था और उसकी अंतर्राष्ट्रीय छवि के प्रकाश में पूरा विश्व उसे आशा के साथ देख रहा है। उन्होंने कहा कि अपनी स्थिरता के बारे में शुरुआती संशयों को दूर करते हुये भारत पूरी शक्ति से आगे बढ़ रहा है तथा अपनी विविधता पर उसे अत्यंत गर्व है। उन्होंने इस सफलता के लिये संविधान को श्रेय दिया। प्रधानमंत्री ने इस क्रम को आगे बढ़ाते हुये प्रस्तावना के पहले तीन शब्दों 'वी द पीपुल' का उल्लेख किया, और कहा, ''वी द पीपुल एक आह्वान है, एक प्रतिज्ञा है, एक विश्वास है। संविधान की यह भावना, उस भारत की मूल भावना है, जो दुनिया में लोकतंत्र की जननी रहा है।'' उन्होंने कहा, ''आधुनिक युग में, संविधान ने राष्ट्र की समस्त सांस्कृतिक और नैतिक भावनाओं को अंगीकार कर लिया है।'' प्रधानमंत्री ने बताया कि सप्ताह भर में भारत को जी- 20 का अध्यक्ष पद मिल रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि हम भारत की प्रतिष्ठा और सम्मान को एक टीम के रूप में विश्व में प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा, ''यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।'' उन्होंने आगे कहा, ''लोकतंत्र की जननी के रूप में भारत की अस्मिता को और मजबूत करने की आवश्यकता है।''

'कर्तव्य पथ' पर चलकर ही मिलेगी विकास की नई ऊंचाई

अमृतकाल को 'कर्तव्यकाल' के रूप में उल्लेख करते हुये प्रधानमंत्री ने जोर देते हुये कहा कि आजादी के अमृत काल में जब देश अपनी स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे कर रहा है और हम विकास के अगले 25 वर्षों की यात्रा पर निकल रहे हैं, तब राष्ट्र के प्रति कर्तव्य का मंत्र ही सर्वोपरि है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''आजादी का अमृत काल देश के प्रति कर्तव्य का काल है। चाहे वह लोग हों या संस्थायें, हमारे दायित्व ही हमारी पहली प्राथमिकता हैं।'' उन्होंने कहा कि अपने 'कर्तव्य पथ' पर चलते हुये ही हम देश को विकास की नई ऊंचाई पर ले जा सकते हैं। उन्होंने भारत की विकास-यात्रा के सभी पक्षों में युवा शक्ति के योगदान व उसकी भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने युवाओं में समानता और सशक्तिकरण जैसे विषयों पर बेहतर समझ पैदा करने के लिये संविधान के प्रति जागरुकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल भी दिया। इस अवसर पर, भारत के मुख्य न्यायाधीश डॉ. डी.वाई. चंद्रचूड़, केंद्रीय विधि और न्याय मंत्री श्री किरेन रिजिजू, सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजय किशन कॉल और न्यायमूर्ति एस. अब्दुल नजीर, केंद्रीय विधि और न्याय राज्यमंत्री प्रो. एस.पी. बघेल, भारत के अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटारमानी, भारत के सॉलीसिटर जनरल तुषार मेहता तथा सुप्रीम कोर्ट बार एसोसियेशन के अध्यक्ष विकास सिंह उपस्थित थे।

ऐसे सरल होगी न्यायिक व्यवस्था

प्रधानमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि लोकतंत्र की जननी होने के नाते, देश संविधान के आदर्शों को मजबूत बना रहा है तथा जन-अनुकूल नीतियां देश के निर्धनों व महिलाओं को अधिकार सम्पन्न कर रही हैं। उन्होंने बताया कि आम नागरिकों के लिये कानूनों को सरल और सुगम बनाया जा रहा है तथा न्यायपालिका समय पर न्याय सुनिश्चित करने के लिये अनेक पहल कर रही है। इसी के तहत वर्चुअल जस्टिस क्लॉक, जस्टिस मोबाइल एप्प 2.0, डिजिटल कोर्ट और एस3वीएएएस वेबसाइट आदि की शुरूआत हुई है। वर्चुअल क्लॉक अदालत के स्तर पर न्याय आपूर्ति प्रणाली के लिये जरूरी आंकड़ों को दशार्ने की पहल है, जिसमें मुकदमों का विवरण, मुकदमों के निस्तारण और अदालती स्तर पर एक दिन/सप्ताह/महीने के आधार पर लंबित मुकदमों की जानकारी मिलेगी। यह प्रयास अदालती कामकाज को जवाबदार और पारदर्शी बनाने के लिये हैं। इसमें अदालतों द्वारा निस्तारित मुकदमों की स्थित की जानकारी लोगों को उपलब्ध रहेगी। कोई भी व्यक्ति जिला न्यायालय की वेबसाइट में दर्ज किसी भी अदालत के बारे में वर्चुअल जस्टिस क्लॉक का अवलोकन कर सकता है। जस्टिस मोबाइल एप्प 2.0 न्यायिक अधिकारियों के लिये है, जिसकी सहायता से वे न केवल अपनी अदालत में लंबित और निस्तारित मुकदमों की स्थिति जान सकते हैं व उसका प्रबंध कर सकते हैं, बल्कि अपने अधीन कार्यरत न्यायिक अधिकारियों की अदालतों के बारे में भी जान सकते हैं। यह एप्प उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के लिये उपलब्ध है, जो अपने अधीन राज्यों व जिला अदालतों में लंबित व निस्तारित मामलों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। डिजिटल कोर्ट की पहल के तहत न्यायाधीश के लिये अदालती दस्तावेजों को डिजिटल रूप में देखने की व्यवस्था है, जिससे पेपरलैस अदालतों की शुरूआत हो जायेगी। एस3डब्लूएएएस वेबसाइट एक प्रारूप है, जिसके तहत सम्बंधित जिला न्यायालय के मद्देनजर विशेष सूचना और सेवाओं के बारे में वेबासइट पर हर जानकारी मिलेगी। इसके तहत सूचनाओं-सेवाओं का सृजन, उन्हें दुरुस्त करने, उनकी जानकारी देने और उनके प्रबंधन से जुड़े काम किये जायेंगे। एस3डब्लूएएएस एक क्लाउड सेवा है, जिसे सरकारी निकायों के लिये विकसित किया गया है, ताकि वे सुरक्षित, सुगम्य वेबसाइटों को तैयार कर सकें। यह बहुभाषी, नागरिक-अनुकूल और दिव्यांग-अनुकूल है।

सभी दंत समस्याओं का एक समाधान
डॉ. नरेन्द्र मेमोरियल डेंटल सेंटर
138 को-आपरेटिव कॉलोनी (बोकारो)
दांत एवं मुंह संबंधी सभी बीमारियों के इलाज की पूर्ण सुविधा।
समय : सुबह 9.30 से दोपहर 2.30 बजे तक
संध्या 5.00 बजे से रात 9.00 बजे तक
(शनिवार अवकाश)
डा. निकेत चौधरी (संध्या में)
डा. प्रशान्त कुमार, एम.डी.एस.

CASHLESS FACILITY CASHLESS FACILITY CASHLESS FACILITY
शिवम् हॉस्पीटल में
सेल के रिटायर्ड कर्मचारियों के लिए
मोतियाबिन्द का ऑपरेशन
एवं लेंस लगाया जाता है।
E-2, LAXMI MARKET, SECTOR-4, B.S.CITY-827004
PH: 06542-232623/233475, MOB: 7488090631

पुराने व जटिल रोगों से हैं परेशान?
होमियोपैथ से निजात पाने के लिये संपर्क करें-
प्रो. डॉ. काशीश्वर किशोर DHMS (Distinction), B.H.M.S (BU).
प्रो. भूपेन्द्र नारायण मंडल होमियोपेथिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, सहरसा
पूर्व सदस्य- होमियोपैथिक मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया, नई दिल्ली।
बैठने का स्थान : शॉपिंग सेन्टर, शॉप नं. 58, पहला तल्ला, को-ऑपरेटिव कॉलोनी, बीएस सिटी
(प्रातः 9.30- दोपहर 12.15 एवं संध्या 5.30-6.30)
जर्मन होमियो प्वाइंट, एफ/9, सिटी सेन्टर, सेक्टर-4, बीएस सिटी
(सोमवार से शनिवारः संध्या 7.00-8.30), रविवार (संध्या 5.00-8.30)
Mob.- 9431162319 (Consultation after appointment only).